दूरभाष :05644 - 260495, 260379(O)
फैक्स: 05644 -260565, 260419M: 9549157392

भा.कृ.अनु.प.–सरसों अनुसंधान निदेशालय

सेवर, भरतपुर (राजस्थान) 321 303

डॉ. अशोक कुमार शर्मा
प्रधान वैज्ञानिक एवं जनसम्पर्क अधिकारी

प्रेस विज्ञप्ति

दिनांक: 28.07.2022

अमृत महोत्सव में ले प्रकृति संरक्षण का संकल्प – डॉ. राय

सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' तथा 'वृक्षारोपण कार्यक्रम' का आयोजन

देश की आज़ादी की 75वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में पुरे देश में आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में पर्यावरण एवं प्रकृति संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए आज़ादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' तथा 'वृक्षारोपण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. पी.के. राय, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान निदेशक महोदय ने जलवायु परिवर्तन के खतरों के बारे में बताते हुए प्रकृति, जीव–जन्तु, मृदा और पर्यावरण के संरक्षण के महत्व के बारे में बताया तथा इससे टिकाऊ खेती पर होने वाले सकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रकृति के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर डालते हुए कुछ उपाय भी बताये। उन्होंने प्लास्टिक के उपयोग को सीमित करने के साथ–साथ रीसाइकल–रिड्यूस और रीयूज का मन्त्र भी दिया। इसके साथ ही उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के समुचित दोहन के प्रति आमजन में जागरूकता के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने सभी से बिजली, पानी तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों का आवश्यकता के अनुसार उपयोग करने की अपील की। वृक्षों के पर्यावरण पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने सभी से स्थानीय जलवायु के अनुसार वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम के दौरान निदेशालय परिसर में कुल 101 वृक्ष लगाए गए। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. प्रशान्त यादव ने किया।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस तथा पौधारोपण कार्यक्रम

अमृत महोत्सव में लें प्रकृति संरक्षण का संकल्प

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

भरतपुर. आज़ादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत सरसों अनुसंधान निदेशालय की ओर से विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस तथा पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान निदेशक डॉ. पीके राय ने जलवायु परिवर्तन के खतरों के बारे में बताते हुए प्रकृति, जीव-जन्तु, मृदा और पर्यावरण के संरक्षण के महत्व के बारे में बताया तथा इससे टिकाऊ खेती पर होने वाले सकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान निदेशालय परिसर में कुल 101 पौधे लगाए गए। संचालन संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. प्रशान्त यादव ने किया।

भरतपुर. पौधारोपण करते हुए वैज्ञानिक।

राजकीय कन्या महाविद्यालय उच्चैन (नदबई) में पौधारपेपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मानसून की सक्रियता को देखते हुए प्रवेश नोडल अधिकारी सुमन गोयल व डॉ अनीता मीणा ने पीपल, बरगद आदि छायादार वृक्ष, आम, अमरूद, आंवला आदि फलदार पौधे, गुडहल, सदाबहार आदि फूलदार पौधे, तुलसी आदि औषधीय पौधे लगाए। कार्यक्रम में देवीसहाय मीणा, भजनलाल ने सहयोग प्रदान किया। साथ ही सभी ने एक-एक पौधे को गोद लेकर उसकी देखभाल में रखरखाव की जिम्मेदारी ली। इस अवसर पर मुकेश और लेखराज ने भी सहयोग प्रदान किया। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस व हरियाली अमावस्या के अवसर पर प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए टीम कोरोना वॉरियर्स ऋषि जाट एवं बॉक्सर रामू जाट के सानिध्य में शहर में 6 0 छायादार पौधे लगाए गए। इस मौके पर रामू जाट, गुलफान, राजा, निशांत चौधरी, सूरज चौधरी, अजीत पिप्पल, योगेश, कृष्णा राना मौजूद रहे।

अमृत महोत्सव में ले प्रकृति संरक्षण का संकल्प - डॉ. राय

भरतपुर (निस)। देश की आज़ादी की 75वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में पूरे देश में आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में पर्यावरण एवं प्रकृति संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए आज़ादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत सरसों अनुसंधान निदेशालय द्वारा 'विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस' तथा 'वृक्षारोपण कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. पी.के. राय, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान निदेशक ने जलवायु परिवर्तन के खतरों के बारे में बताते हुए प्रकृति, जीव-जन्तु, मृदा और पर्यावरण के संरक्षण के महत्व के बारे में बताया तथा इससे टिकाऊ खेती पर होने वाले सकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रकृति के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर डालते हुए कुछ उपाय भी बताये। उन्होंने प्लास्टिक के उपयोग को सीमित करने के साथ-साथ रीसाइकल-रिड्यूस और रीयूज का मन्त्र भी दिया। इसके साथ ही उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के समुचित दोहन के प्रति आमजन में जागरूकता के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने सभी से बिजली, पानी तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों का आवश्यकता के अनुसार उपयोग करने की अपील की। वृक्षों के पर्यावरण पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने सभी से स्थानीय जलवायु के अनुसार वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम के दौरान निदेशालय परिसर में कुल 101 वृक्ष लगाए गए। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. प्रशान्त यादव ने किया।

अमृत महोत्सव में लें प्रकृति संरक्षण का संकल्प

न्यूज सर्विस/नवज्योति, भरतपुर। आज़ादी के अमृत महोत्सव कार्य्रम के अंतर्गत सरसों अनुसंधान निदेशालय की ओर से विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस तथा पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। निदेशक डॉ. पीके राय ने जलवायु परिवर्तन के खतरों के बारे में बताते हुए प्रकृति, जीव-जन्तु, मृदा और पर्यावरण के संरक्षण के महत्व के बारे में बताया तथा इससे टिकाऊ खेती पर होने वाले सकारात्मक प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने प्रकृति के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर डालते हुए कुछ उपाय भी बताये। उन्होंने प्लास्टिक के उपयोग को सीमित करने के साथ-साथ रीसाइकल-रिड्यूस और रीयूज का मन्त्र भी दिया। इसके साथ ही उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के समुचित दोहन के प्रति आमजन में जागरूकता के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने सभी से बिजली, पानी तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों का आवश्यकता के अनुसार उपयोग करने की अपील की। वृक्षों के पर्यावरण पर पड़ने वाले सकारात्मक प्रभावों के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने सभी से स्थानीय जलवायु के अनुसार वृक्षारोपण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान निदेशालय परिसर में कुल 101 पौधे लगाए गए। संचालन संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. प्रशान्त यादव ने किया।

सरसों अनुसंधान के निदेशालय में मनाया विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस

भरतपुर। स्थानीय सरसों अनुसंधान के निदेशालय सेवर भरतपुर में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर प्रधान वैज्ञानिक डॉ प्रभु दयाल मीना ने पौधा लगाकर सभी वैज्ञानिक तथा कर्मचारियों के साथ प्रकृति का संरक्षण करने का संकल्प लिया। डॉक्टर प्रशांत यादव के आह्वान पर निदेशालय को हरा भरा रखने के लिए सभी वैज्ञानिकों ने अपने हाथों से पौधे लगाकर प्रकृति को साफ सुथरा रखने में अपना योगदान दिया। डॉक्टर प्रमोद कुमार राय ने पौधा लगाकर प्रोग्राम की शुरुआत करते हुए कहा कि निदेशालय को हरा भरा रखना हमारा कर्तव्य है जिसके लिए पेड़ पौधे लगाना वर्तमान समय में आवशयक है क्योंकि प्रदूषण से फसल को ही नहीं मनुष्य के लिए भी हानिकारक होता जा रहा है। प्रत्येक वर्ष 28 जुलाई को विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मनाया जाता है। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस का उद्देश्य वनस्पतियों और जीवों जैसे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के बारे में जनता के बीच जागरूकता पैदा करना है। पृथ्वी की सुंदरता को बनाए रखने के लिए हमें इसके संसाधनों का ख्याल रखना होगा। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मनाने का प्राथमिक लक्ष्य उन वनस्पतियों और जीवों को बचाना है जिन पर विलुप्त होने का ख़तरा मंडरा रहा है। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण के संरक्षण के लिए मनाया जाता है। पृथ्वी ने हमें पानी, हवा, मिट्टी, खनिज, पेड़, जानवर, भोजन आदि जीने के लिए बुनियादी आवश्यकताएं प्रदान की हैं। इसलिए हमें प्रकृति को स्वच्छ और स्वस्थ रखना चाहिए। प्रकृति का संरक्षण अत्यन्त महत्वपूर्ण है, इसकी बिगड़ती स्थिति के लिए औद्योगिक विकास व सड़क निर्माण सहित कई अन्य कारक जिम्मेदार हैं। हम जो कुछ भी करते हैं, वह प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रकृति को प्रभावित करता है। इसीलिए हमें किसी प्रकार का क़दम उठाने से पहले सोचना चाहिए कि इससे प्रकृति पर कोई नकारात्मक प्रभाव तो नहीं पड़ेगा, इत्यादि।